



स्वाशाभालाष्ट्री

स्वदीकवाग्निः रक्व

द्विद्विधिसर

पुनरागः रक्व

सागाद्वि

प्रिखनः रक्व

जादोदिम

स्वदीनिर्कः रक्व

स्वनिर्नाथ

निभाश्नमाद्वि

द्विगागद्विनिध

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

५७ - ५७

॥

॥

२८

२८

॥

॥

२८

५०

स्वाशाभालाष्ट्री

स्वदीकवाग्नि

कालिकाऊगा

स्वदीक

स्वदीक

कालिकाऊगा

कनकागविव

स्वदीकालिकान

स्वदीकमागार्ग

स्वदीक, स्वदीक, स्वदीक

११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८

५० - ५०

॥

५७

॥

५७

॥

माल श्री ५८० ३१ ३०१ ५०१ २१ ३

माल श्री ५८० ३१ ३०१ ५०१ २१ ३

आठ १८ पैसा वरको दिक्क

रनिगनाथः ग्वात्रा	१	पथमं कलि
१ ऊयं २ ऊयनिगनाथ	२	प्र
१ ऊयनिगस्वन	३	प्र
१ ऊयनिगस्वन दं व	४	प्र
१ नामनामकया अ	५	प्र
१ दमानिकदिक्ष	६	प्र
१ निगधनमकस	७	प्र
१ पुरुजिधगाथ	८	प्र
१ आदिसत्रा अ न	९	प्र
१ कयनिमायाक्ष	१०	विनाम
१ ०० स्वनिगुऊ	११	वि
१ मेधूपनिः ग्वात्रा	१२	वि
१ सो २ दं ऊय ००	१३	वि
१ स्वकूलः ग्वात्रा	१४	वि
१ खिल उ न मि जि	१५	वि
१ ऊ मादापुरुः ग्वा	१६	वि

१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६

साय २ वालख
 साय २ मनिबूद
 नागत्र
 दपिनागवस
 दप्राक्ष कृपाय
 पुन २ वनेरा ००
 दसा ०० वन
 यप्रस रवन
 नपालया
 साकक्षि
 द ०० वन
 विजुग्वपि
 विद्याधनि
 दन कंथाः रवा
 सानिबूदनि

११	वि	
१८	वि	
१२	वि	
२०	वि	
२१	वि	
२२	वि	
२३	वि	
२४	वि	
२५	वि	
२५	वि	क्षीजाग
२७	वि	
२८	वि	
२९	वि	
३०	वि	
३१	वि	क्षीजाग

रक ऊ पाल	३२	षी
रुय २ रुगवान	३३	षी
रु रुन णी रु ००	३४	षी
रुय २ रुगवाः ग्वा	३५	षी
रु ख धु या	३६	ध ना णी
र ना नार्थ न रु	३७	ध
र रु ध नि मा ना	३८	ध
र रु ग वा ध रु या	३९	ध
र रु य २ रु न ना रु	४०	ध
रु रु रु रुः ग्वा	४१	सा न र ग
र रु रु रु रु	४२	सा
र रु रु ग वानः ग्वा	४३	सा
र रु य २ रु ग वान	४४	सा
र रु रु रु रु रु रु	४५	सा
र रु रु रु रु रु रु	४६	र रु पानि
र रु रु रु रु रु रु	४७	रु
र रु रु रु रु रु रु	४८	रु

सुनिवत्र	४२	ह
मेवसात्रःग्वा	४०	मेगल
कसमायाका	४१	मं
दामया	४२	मं
मादिनाथःग्वा	४३	मासाउनि
कये२कयनिमं	४४	मा
ॐस्वनिदिध	४५	मा
हत्रहकयनि	४६	मा
त्रागाकमन	४७	मा
धुंधत्रपर	४८	मा
गुनरुकय	४९	मा
मादिसंरःग्वा	५०	मानुउम
कयनमाणीनि	५१	मा
मूकयुनिजा	५२	मा
धुंधत्रनाकक	५३	मा

लिहृगिल्लाहृकि	३३	सा
सगगुन	३४	सा
दससकःग्वा	३५	पहलि
छंधनिकन	३६	प
रगवाधल्लोकःग्वा	३७	प
पुन्रखपनस	३८	प
घनधात्रःग्वा	३९	प
बलहृपागाल	४०	प
माडापासाग	४१	प
दत्रिडिवि	४२	प
थडाविसं	४३	प
नृनिधुधःग्वा	४४	वलादि
रल्लोकख	४५	व
अयश्यनति	४६	व
मधसमीहध	४७	व

धुनिय ३ तुम

कनगुधलम

धुनिय ३ जि

सुयधियकाजी

सुयसगध

कयकनूधमय

नभा २ दवि

नलोका नाथः नव

नवानिहं

नक्षत्रसरति २

नोरवन

दत्रिगंगा

नखिहं

नवानिछिब

गुडाखुडी

१८ व

१९ व

८० व

८१ व

८२ व

८३ नाऊविज

८४ ना

८५ ना

८६ कयान

८७ क

८८ क

८९ क

९० क

९१ क

९२ क

९३ क

९४ क

शुनगुनकि	२३	क
हृषाधविन	२४	विहारा
निज २कल	२५	वि
धुंधुंधु	२६	व्या
धुंधनप्राध	२७	व्या
वीरवहा	२८	व्या
जा ३२ विष्णु	२९	व्या
मा ३३ दिनरु	३००	ग्रामकलि
परस्वामिप्राध	३०१	ग्राम
सनगुनवकु	३०२	ग्रा. गंध
मा ३४ मान	३०३	मात्रथ
गंगामा ००	३०४	सा
जा ००० वला	३०५	सा
स्वयंरु ००: स्वा	३०६	ग्राकवि
ऊगाकसनिगे	३०७	ग्रा

रघुटि मरुति	१०८	मंगल
सिद्धिनिर्गन्ताथ	१०९	मं
वज्रवित्र	११०	मं
बालनसः ग्वा	१११	माला
सा नाननि	११२	सा
कालिफला	११३	ग्रासा
मुष्टिग्रथस	११४	कला
ददतिरुति	११५	
कृष्णसासः ग्वा	११६	सात्रंग
मनहने	११७	सा
समा २थी ऊग	११८	सा
थी द्वास्वामि	११९	माला
ऊथी दविः ग्वा	१२०	सात्रंग
वधुधाना	१२१	सा
साडाजि ऊन	१२२	थी

श्री कृष्णामिनि
 संसालसकल
 मूलपत्र
 कृष्णविनः रत्न
 हृदयलगावाध
 धनमयास्त्र
 अविद्यमन्त्रि
 यत्नामवरु
 उग्रसक्ष
 मानन्दध्यान
 अजयोजिव
 समित्तमसिवर
 मधकामनाद
 कयप्ररुगरा
 माह्वलानि

१२३ आमा
 १२४ वलाजित
 १२५ विराम
 १२६ काहि
 १२७ मंगल
 १२८ श्री
 १२९ रिंपास
 १३० कयकर्म
 १३१ विराम
 १३२ कयकर्म
 १३३ कला
 १३४ आसाव
 १३५ सान्न
 १३६ सात्रथ

मेगु पंजिका ८० पाना

परमस कोसोद्व ८०

वसंत १८ पाना

राम वसंत ६८ / ६८

न्वहन्तवपि
 दश्वश्रीमन्म
 मउानलाय
 पकक
 नमिहाव
 दकननामय
 श्रीमन्मियाय
 दछद्यामा
 एमत्रायनन
 मप्रदिहमनि
 ममनेष्वने
 श्रीरगावाधनं
 मयकदियक
 मयवाकविक
 दानुमश्रीमन्म

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५

श्रीमन्म
 श्रीमन्म
 श्रीमन्म

ॐ नमो श्री पद्मनिधये नमः ॥ १ ॥

साम नंदं दीदीमुखः समानगदमुखः
त्राविर्गयगत्रः रमोमीहन्मजीत्र
मंडुधधिरुत्रमदिर्गस्वर्द्धनिर्गुक्तिरु
व्यः स्वर्द्धदन्त्येसाधः रुनिमधीवि
कसुव्याधवमीरुत्रियः वन्दस्वर्द्धुई
वर्गसत्रसधमवर्गः पार्वगीसंवीनिर्गु ॥

पुरुसंदर्भ १० ३५ मि कलाध्व १५ तः
मूर्तमालः कल्लिपद्ध्याः मालाधनः
कल्लधनसिः साधर्मदिरुश्या ३५ः श्री
निधेनाथपिद्धः मूर्तः दसिदापासः
धूरुः गिरुयायगुपुद्ध कर्द्धमाः लख
कः मूर्तमालः बलाक्याः वधनल्लः
इल्लः कथदिर्द्धः कथाः लखकोदा
सधमिद्धः पुरुः मंगल ॥ ३५ ॥

॥ अथ मंत्रलिङ्गालिङ्गमां ॥ ॥ निगुना
 यद्वज्रः नवजस्रजं गंधः ॥ नदिरेदिद्व्यं गालश्चल
 यस्रगंधः ॥ अहिनाथनितः चजननिवासः ॥ सवि
 दपयकजमध्वजवाहः ॥ ॐ ॥

॥ अथ मंत्रलिङ्गालिङ्गमां ॥ ॥ जयं जयं
 यनिगुनाथमहत्त्वजः जगिनः शुंधजजवगार
 ॥ वद्विष्णु कपर्जितनः वद्विष्णु ससिंधुजित
 नः ॥ जं जं जं जं गतसुकुमारः जयनिगुनाथः ॥
 १ ॥ नदिरेदिद्व्यं गंधः सविगनः रुद्रस्रनया
 यनस्रजस्रनविष्णुकः ॥ रुद्रगगजगतिजाककाम
 नायजनयाकः ॥ निगतिजगनजयनद्राकः ज
 यनिगुनाथः ॥ २ ॥ ॐ ॥

॥ अथ मंत्रलिङ्गालिङ्गमां ॥ ॥ जयनिगुनाथं
 रुद्रगगजगतिजाककाम
 नायजनयाकः ॥ निगतिजगनजयनद्राकः ज
 यनिगुनाथः ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 ॥ अथ मंत्रलिङ्गालिङ्गमां ॥ ॥ जयनिगुनाथं
 रुद्रगगजगतिजाककाम
 नायजनयाकः ॥ निगतिजगनजयनद्राकः ज
 यनिगुनाथः ॥ ४ ॥ ॐ ॥

॥ निगनाथद्वयः १ ॥
 ॥ रुद्रगगजगतिजाककाम २ ॥
 ॥ जयनिगुनाथं ३ ॥

सिवजय ॥ २ ॥ विजयमाजगणवाधुकिङ्कणस
जमयाधूसिउलाठा ॥ कालधुववधजयप्रकाश
नसिवमहमाप्रकाससिवजयनिष्कण्वत्रजगन
ॐ स्वत्रसिवमाप्रकासा ॥ ३ ॥ ॐ ॥

(त्राग ॥ प्रथमंजलि ॥ गालप ॥ जयनिर्गण्वत्रदेव
महसाननिष्कण्वत्रथविष्णुकन ॥ ४ ॥ नं
दिहिंदिउस रगव्यमालया मद्ययान्नानदया
कन ॥ जय ॥ ५ ॥ जगयारुसधधसाहिनाठा
नविष्णुलदंवनथाकन ॥ जगसंपालधध्वान
सिलसबालस्ववन्दमाधिकन ॥ जय ॥ ६ ॥ न
सिकवसिनलिधुङ्गु मालमालहि केखासने ॥
दयालक्रियानाथ ननाथयाज्ञाकन जयपन
कासने ॥ जयनिर्गसात्र ॥ ७ ॥ ॐ ॥

(त्राग ॥ प्रथमंजलि ॥ गाल ॥ स्वजमि ॥ त्राम्या
नामकयाउज्जत्रमहनसाउ ॥ ८ ॥ साया ॥
मोहपापजालमालनाउ ॥ ९ ॥ अत्र ॥ त्राम ॥ १ ॥
जमउउननयाउधनमजाडाउ ॥ साउत्रजगन

२ जगनिष्कण्वत्र ॥ ४ ॥

२ जगनिष्कण्वत्र ॥ ५ ॥

इनहनिगुधला जग ॥ तामना ॥ २ ॥ फललासल
 यदु निजि उ उ नि गा उ ॥ गितधधत्रमदमहनाम
 वाया जग ॥ तामना ॥ ३ ॥ कंठाननसंशालनसिप
 बलसिप ॥ धूलियादुनिधहयधनरिनका ॥
 न ॥ तामना ॥ ४ ॥ पत्रलाकरिनगति रुगगिन
 ना ॥ ऊयपत्रकासयाधुववभनना जग ॥ तामना
 मनामकया उ उ त्रमह न ध्व उ ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 नगा ॥ प्रथमं कलि ॥ गालपत्र ॥ ॥ हमात्रिकुदि
 नरुषाकारागिभतिगाज ॥ कासागा ॐ दनसन
 ना उ ॥ हाय २ भतिप्राननाथ ॥ १ ॥ नाजि उ विक
 नसाह रुननुषना ॥ काहिधहिसत्रनगवहा
 ना ॥ हाय २ भतिप्राननाथ ॥ २ ॥ ॐ ॥
 नगा ॥ प्रथमं कलि ॥ गालना ॥ निर्गधत्रमकस्य
 रगस जना ॥ यत्रजाविवालयायधत्रमकया
 कविवालनियानुजनगा ॥ १ ॥ नृपऊय
 पत्रकासलाकपतिमान ॥ ननमधकलरुयारु

हमात्रिकुदिन ॥ ३ ॥

निरुधत्रम ॥ १ ॥

जनहनासः विवाहनिमान्ताः कथाः ॥ याः

यः ॥ २ ॥ ॐ ॥

रागाः ॥ प्रथमं जलिः ॥ जलः ॥ स्वयं जलिः ॥ परः

जिनगन्धकः लकसिनिजंगनः ॥ स्वयं जलिः

खुंधनिकपनि या जंगनः ॥ जलि इस्वसिलः ॥

॥ १ ॥ ॐ लयालव्वसया जलिपुनिसाल

नः ॥ जगुनिनगन्ध या जगुनिजंगनः ॥

जलि इस्वजालः ॥ २ ॥ निपजगुनिपत्रका

सद्वलाकाः ॥ जगुनिजंगनः ॥ ३ ॥ ॐ ॥

कालः ॥ जगुनिजंगनः ॥ ३ ॥ ॐ ॥

रागाः ॥ प्रथमं जलिः ॥ जलः ॥ जगुनिजंगनः ॥

जगुनिजंगनः ॥ जगुनिजंगनः ॥ जगुनिजंगनः ॥

जगुनिजंगनः ॥ जगुनिजंगनः ॥ जगुनिजंगनः ॥

जगुनिजंगनः ॥ जगुनिजंगनः ॥ जगुनिजंगनः ॥

जगुनिजंगनः ॥ जगुनिजंगनः ॥ जगुनिजंगनः ॥

जगुनिजंगनः ॥ २ ॥

जगुनिजंगनः ॥ २ ॥

पशुपति॥ १ ॥ बालाउले आगवलनलूलनि
अउमि॥ वृकृदं अ दनसधला ॐ अमृगु
नि॥ पशुपति॥ २ ॥ लक्ष्मिदेवीनका
नथ्वरुगिनि॥ ॐ अकासगयावनका
निअउमि॥ पशुपति॥ ४ ॥ ॐ ॥

त्राग॥ विलास गाल

त्राग॥ मंगल॥ गालवउमा॥ हादं ॐ
लाकधमसहिंदनगुवलाकिगंधमन
दं वं॥ कमलयपुष्पुलावनामृख ॐ
कवधमहाजीलं॥ दहिधवासकपय
दसं गुरयवलहलदायकं॥ हा
हादं कनकसुधउधान॥ ॐ ॥

मि॥ २ ॥ काथ॥ ॥ ॐ ॥

२॥ राग ॥ विहास ॥ गाल प्रका ॥ ॥ कथति मायान के क

॥ १ ॥ ॐ ॐ मजि ॥ का छि पालि मज्झिमा ॥ सुख यात्र स तु

माया ॥ जो म भजि ॥ ध्या धि त्र मास ॥ मया पास मय द ॥

॥ २ ॥ हि ट नीजि क दा ॥ म म थ द ॥ मा ॐ न ग ल म

छि द ॥ म नालि म न ॥ लि म ल स व ना ॥ म व गु ल प ठ

इ द ॥ क प ठि ॥ २ ॥ पु नान म्ना दिन ॥ म कु म कु द को ॥ म प

म प द क ॐ ना ॥ कि नि हि ॥ बा दि म र स ॐ न दिन ॥ हि ना

म का य म लाना ॥ क प ठि ॥ ३ ॥ म न ग वि धि म न य पा प

मि ल म ल म हि ड न दाना ॥ ह्वा य दा मि म ॥ ह्वा म जि पा

पि या ॥ हि म्वा दा स न दाना ॥ क प ठि ॥ ४ ॥ ॐ ॥

२॥ राग ॥ विहास ॥ गाल प्रका ॥ ॥ ॐ स्व त्रि गु ॐ स्व त्रि

म ना ॥ १ ॥ क म्ना मि र वा न ॥ २ ॥ म्ना मि र वा ॥

ॐ स्व त्रि ॥ १ ॥ व द कि त्र न ड कि ॥ हि म्वा दा मि म

जो मि ॥ माल माला कि न ॥ म्ना मि र वा ॥ २ ॥ म्ना मि र वा

त्रि ॥ २ ॥ या य म ह्वा हि ॥ म्ना मि र वा ॥ ३ ॥ म्ना मि र वा

मि ॥ वि य म न इ र ॥ म्ना मि र वा ॥ ४ ॥ म्ना मि र वा

स्व त्रि ॥ ३ ॥ म हि क जि म्ना मि र वा ॥ ४ ॥ म्ना मि र वा

वाना म ठि ॥ म हि न कु दिन ॥ २ ॥ म्ना मि र वा

१ क प ठि मा या ॥ १० ॥

१ ॐ स्व त्रि गु ॐ स्व त्रि ॥ ११ ॥

रुगमि॥ॐ स्वमि॥ ४ ॥ जगत्सम इति
सदासि वज्रिदीनमि॥ जाकम् यानिन रममि
रुपाया उमृगुमि॥ॐ स्वमि॥ ५ ॥ ॐ ॥

रामा॥ विरामा॥ गालदोनां॥ ॥ मधुपूजिव
रुमि मूदा लियकं व्यलि॥ ग्रायसखिदीसन्
नपूतवसिनद॥ कनजा निविनमि मूदान
दं व्यमि॥ दहादहायनन कमलपदसंवा॥ १ ॥

रमधुपूजिव॥ १२ ॥ रव

रुगमि॥ विरामा॥ गालस्वजमि॥ हाहादऊय ॐ
स्वमसन्नन रुमात्रा॥ १ ॥ हा २ दं रु अविन्
रुमिमात्रानदिनत्रानादि॥ दं व ॐ द्रपमिषा
सने हा २ दं ऊय ॐ ॥ १ ॥ नत्रपमिषीन
ननि कनसिनजात्रि॥ रूपत्रा धक्कमिमात्रा
नहा २ दं ऊय ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥

॥ ॥
ॐ स्व ॥ १३ ॥
हा २ दं ऊय ॐ

॥ त्रागा ॥ विरास ॥ गाल ॥ डीमां ॥ ॥ हाद गव ॥

कुलनायक स्ववर्धनधात्र ॥ हाद गवगन
पालिग स्वपिगनसाध ॥ १ ॥ ॐ ॥

॥ त्रागा ॥ विरास ॥ गालगद ॥ ॥ सालडानि
मिडिसेन गगिनिगारुसशसे ॥ अपनूषसा

यजिन उसाध डाना डार ॥ १ ॥ गूरुमय

ध्वकत्रम प्ररुमडुध्वडिदय ॥ दह्वन

दलशाय गूरुगिनिगारु ॥ २ ॥ निष

जयपत्रकासलाकववनयासाल ॥ मद

नगवपालप्ररुदत्रसनलाय ॥ ३ ॥ ॐ ॥

॥ त्रागा ॥ विरास ॥ गालडीमां ॥ जमाहाप्ररु

हिमसेनमहावित्ररुत्रव ॥ वादाध

त्रधुंनसनकिंकरकमात्र ॥ त्रविमंज

माहावित्ररुयंकनत्रूपं ॥ ॥ ॐ ॥

॥ त्रागा ॥ विरास ॥ गालल ॥ ॥ हाय २ वा

॥ त्रागा ॥ विरास ॥ गाल ॥ डीमां ॥ ॥ हाद गव ॥
॥ त्रागा ॥ विरास ॥ गालगद ॥ ॥ सालडानि
॥ त्रागा ॥ विरास ॥ गालडीमां ॥ जमाहाप्ररु
॥ त्रागा ॥ विरास ॥ गालल ॥ ॥ हाय २ वा

नषगानअनाखल अनआअ ॥ १ ॥ वं कषन
 सत्त्वानरुल पाना अकनाथासः सांगपीदि रस
 वं हल ॥ नृगमिदि स अल २ वालखसवा
 ननिखल अन हय २ ॥ १ ॥ सलकिसिविया
 अ धल लपकान यावालस हनन श ० ० ० ॥ अम
 यय ॥ लखजास अल धल स २ सलन यो थ
 वलषमत्राग हय २ ॥ २ ॥ श्रिगयादि
 नसत्राग क मत्र पत्री किष्टा किनीमीया श्रि
 नवा अ नानन्दन दोना ॥ थनिरा थ शल
 विट २ कत्रमसं वास हल गुमसिया ह
 य २ ॥ ३ ॥ परस्वामिपानक्ष थवालष
 नवाग थन अल गुमखनाला पर ॥ नय
 गथ थपत्रान २ सलन यो थ वालखस
 वाग हय २ ॥ ४ ॥ ववाइ याववनस
 वालखसवागस्य धनमया कथानस अ
 अन ॥ झा क म नना थन २ याइने

हय २ वालख ॥ ११ ॥

उध्वानननाथ-दाय२ ॥ १ ॥ ॐ ॥

स्वारा॥ विलास॥ गाललं ॥ ॥ दाद-गान-

पगिविनगिदं इन्नुदयान॥ निधन

जनमरुलकनमसंदासहल जगन

थरुलजिह्वाल॥ विवोविदोहालया

यथअपिगिसास्रधायमरुयानरुल

किक्कयाल॥ गद्यप॥ १ ॥ वयलिया

हंसहासयानार्थमजिउदास॥ नदा

नमइयलसाल॥ धंदाननपानार्थं

अनयोसत्रिलगना-गध्यरुलधधि

नकपाल॥ गद्यप॥ २ ॥ आसधस-

हिविनाथंमलमइगनधं-सदानंदो

नंजिलहियसाल॥ लक्ष्मइननमि

रुलयागअविपमि-रुनजिधधुया

कन्वहाल॥ गद्यप॥ ३ ॥ निपालरु

रगनपति॥ १८ ॥

मिया धनिषी प्रन कि गमल अस सन या
ॐ अविद्याल ॥ नगलन मझाना अ. झ
यजिन थव वे धा धः वत्र धन अन थव ऊ
प्रमः गनपमि ॥ ४ ॥ ॐ ॥

राग ॥ विरास ॥ गलः लं ॥ ॥ दायश्म

निवृ दस गारवना दया इ झत्रा जा ॥ ॥

निप्रद्य गऊ गध या भः ऊ गध या दधु ठरु

यं कन गा ऊ स अल ॥ ना ऊ सन हो ना

दान रवि अ कि गत्र ग गमांस दायश् ॥ १ ॥

ना ऊ स या खाल स्व स कनू नानं दया ग

स स तिल या मांस दान विल ॥ ना ऊ स या ह

स्व ऊ स २ न ग मांस द का रु छे या ग दायश्

॥ २ ॥ थ अ नानि पझा वमि पुरु पझा

गन कुमात्र विलापन मू ऊ रु या अन ॥

ना ऊ स नू प द व ना जां २ कनू नानं स्व

दायश्म निवृ द ॥ १ ॥

याजविज्ञान-ह्यय २ ॥ ३ ॥ देवत्राऊद
 त्रसनविसे-मिगसंजिवउखविंपासका
 पायाथसत्रिलरुल ॥ त्रजापत्रजापरि
 गिनं-ह्रगखनत्राऊरागयागः ह्यय २
 ॥ ४ ॥ क्काककमूनाथऊनःत्रकाया
 अहलपालं-मूनाथयानाथऊयसा
 ल ॥ संसालसनासदध २ सनिवृदना
 कायासत्रन-ह्यय २ ॥ ५ ॥ ॐ ॥

॥ नारायण ॥ २० ॥

२ त्राग ॥ विलास ॥ गालराद ॥ नारात्र-या
 ऊनविनगिगुवधान ॥ ६ ॥ मालि-
 नियाहंसअसःवासयासदिलअस ॥
 विसहलगाखलयास्वानः नारात्र ॥
 ॥ ७ ॥ कृयगेहिसेवकेनः इतऊनथ
 मरुस ॥ सलरासहलजिषयाअ ॥ ना
 रात्र ॥ ८ ॥ त्रगनयासालाविसः इत
 ऊनमलहंस ॥ अयाथनधत्रमगया

ऊयपत्रकासमल्ल. झा का वच धयासात्र ॥ ५

अ. नारात्र ॥ ३ ॥ अवलसगुपननअ

याछि के दत्रसन ॥ लानाकिन छि के मुनि

मानः नारात्र ॥ ४ ॥ पूत्रवयाधत्रम वि

लजिन दलुं वन ॥ मनत्र थ पूत्र धयाजा

अ ॥ नारात्र ॥ ५ ॥ ऊयपत्रकासध नि

यनिववन झा क ॥ शुख लाय धत्रमया

नाअ ॥ नारात्र ॥ ६ ॥ ॐ ॥

त्राग ॥ विलस ॥ गालपना ॥ द पिना क वस

दिस्कां गखना ॥ ७ ॥ निमकुना याजाअ

कया झ दे अः विझा क श्री रग वाध ॥ मू

नराहि ह नसि न का अ थ म हू अ न वा

न अ विझा क ॥ द पिना ॥ ८ ॥ धधि

नत्रूपन थन विझा ल धः वि कुनि उ

पसा न या अ ॥ शुवत्रन या हें स लाअ

२२९ ॥

नपूनाथमिखाकमानयावाध॥ हं
 पिना॥ २ ॥ शुवर्धमगुकरयक्र
 निकधुलगलसहंलमनिमला॥
 विविगुविवलसिगुलिकरुनक
 अत्रगंधर्वत्रय॥ हंपिना॥ ३ ॥ मून
 गत्रलधकाजाचिचिलिवाहंल
 यापिंद्रपाग्रजाना॥ थयिनत्रपधथ
 नविद्यालनऊअंखउंप्ऊरुया
 अ॥ हंपिना॥ ४ ॥ कम्मनकम्मन
 मिदानसालासविष्काकपूजाहया
 अ॥ हंनकंलसुसधनगुपिंद्रपा
 वस्वनाअग्रार्जदइल॥ हंपिना
 ॥ ५ ॥ स्वांआवाचिनजानथजापिं
 दपावृलजायमनवेलःजाल॥
 कनरागासिबधम्मनयाअकासं

लिङ्गकध्यानकुल॥ हृदिपिमा॥ ४ ॥ स्व
 क्रान्तं वक्रं सन मनया ॐ का ध धूम
 प्रकारं द्युल॥ ॐ क्रयावाकं न दानि
 इहः खन पापन गाल गा ॐ ॐ ध
 हृदिपिमा॥ १ ॥ धन्याजिह्वगधनधी
 सावकसिंहन विडो गुमासिखलाध
 नृपनिधी ऊयत्रा ऊपकासया मूर्ख
 दपत्रगापवाल॥ हृदिपिमा॥ ८ ॥ ॐ
 श्रमा॥ विरुत॥ गालले॥ हादः दृष्टानरु
 यायकनमवाहल॥ ६ ॥ हादः सगुनि
 यानिर्द या धलिना गहल थनि दह
 धस धात्रन जिअना॥ धन्दे २ जिह्वगध
 न नागला कस जिध्वन नागत्रा जा
 दत्रसन्नयानाः हृष्टाध॥ १ ॥ वष
 कनासनागत्रा जा धसल गा ॐ रुल

हृदिपिमा॥ २२॥
 हृदिपिमा॥

सानवाधवियानल ॥ दहधयात्रा
 संवाजा लासव्यावसविल ना
 गत्राजा रथाना अवातः दृष्टानरू
 या ॥ २ ॥ नागत्राजायादयानध
 संवायापदलस दहधनंथनरु
 यादल ॥ काकमृगयानिजधरु
 गवान्यासत्रनस रुमश्चलजिस
 त्रनः दृष्टान ॥ ३ ॥ ॐ ॥

रागा विरास गलजमि धुनश्चत्रा
 ॐ विनमिदमात्रा नकलियस्यत्रिस
 नवतित्राऊमा ॥ १ ॥ नमात्रावा
 लयदायश्चात्रा ॥ त्रकिन्दविकमसा
 दादवन्मरान्य ॥ २ ॥ ॐ ॥
 रागा विरास गलपगा दमा ॐ
 त्रयसकिविनमिमागुलिदवनया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

थकूत्रानि॥ ३३ ॥ घनधानत्रूपरुसः
 तनमहिषगर्भे॥ तिलसत्रद्रुमास्वराः
 कलिसरुदलनगर्भे॥ स्वर्गु॥ १ ॥ हे
 नमोनिमानिकयाहालाहालाधिकहा
 ल॥ गालसक्कासासगयाधनयासिलः
 यामासा॥ स्वर्गु॥ २ ॥ सगुत्रियाकूल
 वासयायुअर्धुमइथास॥ ऊगगरुत
 सयद्विरुवोनिठिठ्ठुक्कद्वि॥ स्वर्गु॥
 ३ ॥ नपालयाद्युपनिधोत्रनवादा
 इत॥ विवालयनिधोत्रयाअन्यपालरु
 मियाधनि॥ स्वर्गुलि॥ ४ ॥ ॐ ॥
 नगा॥ विरुस॥ गालवो॥ पद्मस्यखनजा
 ऊऊमानकत्रुजायाधनि॥ ५ ॥ सिंधुसा
 इन्मादानागामुऊत्रामपत्रुख॥ पद्म
 सोथदयकाअसंगुमसर्वाकाकःपद्म
 सखन॥ ६ ॥ स्पर्मनकनगात्रसहिष्ठः

३३ ॥ घनधानत्रूपरुसः ॥ ३४ ॥

३५ ॥ विरुसः ॥ गालवो ॥ पद्मस्यखनजा ॥ ३६ ॥

या नाविष्णुक ॥ त्रिभयायधूनत्राङ्गमाः
 लग्नाविष्णुकः पद्मसं ॥ २ ॥ स्नाकः
 मृगग्रथानिजन केमायायमाल ॥ न्यपा
 न्याद्वृपमिथुनिद्विक्रमः पद्म
 सधनत्राङ्गकृष्ण ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 शारा ॥ विरास ॥ गाल ॥ दणालयातिलाम
 निश्चीवज ऊगिनि ॥ किंलसुखानयाउ
 नः २ साखलमिखानस्वसह ॥ १ ॥ हिलस
 वदसाधिक २ मनिमालाक खास ॥ मूसर
 नक्रिलास्वसं २ थडागाथमदास्वसह ॥
 ॥ २ ॥ जननिदरुन किथनिश्चूनगाया
 इः खह ॥ स्नाकमयाविनकिश्कनमय
 पापरागह ॥ ३ ॥ सुसलउनिमक्रसर
 वेग कृष्टुखुद्रस ॥ शितिवाधइधवि
 क्रम २ साहानाजायावलसह ॥ ४ ॥ ॐ

२० पा. लयागिनि ॥ २५ ॥

मग॥ केहू केला॥ माल ऊनि॥ साऊनि॥
 याअधमम उपाय॥ १ ॥ हेसखिदंडू
 न्यजि विजनिगथ लावऊधूपनि विरु
 लऊनमउविनाम॥ दळूवनघलक
 सनिमनिविदासगल हूयाअउपाय
 मवलाधःस्तऊ॥ २ ॥ हेसखिवीजग
 यासनकंधाडूःखदहंनमहंनपिह
 यमजिअजिझायाअ॥ हनि२विमूष
 नविनहयागालधदहलपृथगुलि
 यनानःसाऊ॥ ३ ॥ हेसखिउल
 वंदनगथहनिअपिननिहंथःभा
 अरुलपापिकुबुजान॥ स्वगुलिहव
 धदलेःशुनऊनउसारवल मवनाधि
 मइजिसमाधःसाऊ॥ ४ ॥ हेसखि
 मवकूलमहंअनाअजिगुलिव्यध

हेसाऊनि॥ २३ ॥

नङ्गाडा दानकिडापित्रमिह्यनाडा

॥ पत्रउपकात्रयाडा पत्रलाकरिच

किडा डाककूयाविनगिदंनडा:

साऊनि ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रागा ॥ कडूकला ॥ गानजगि ॥ दळूव

नविलजिगइखयाहअल ॥ ५ ॥

मनधमलालपाथइलजिहअ

लसगुत्रिचछानाषनदनधनिहू

धाय ॥ सगुत्रिचछानाखसजिडाया

संदहइलमसियासंरालगधला

यः दळू ॥ १ ॥ मरिनकवपाल

जिडासगुत्रिगंमाल व्याधयाऊन

मदायहाय ॥ डाककूयाविनगि

सदंन्यमालनृपगिधमनूकमं

गालगानलायः दळू ॥ २ ॥ ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

त्राग ॥ कल कला ॥ गल गलि ॥ विदु रव
 पिवा स हललि कत्र मथय्य ॥ ५३ ॥ ३
 अंख अंथ स न या का य पू गानि क्क शि
 ये सपना समरवना थ ह न ॥ थ अ २
 पापि कत्र स सपिय पू य व ० स ७ इ
 लया जि य का न न वा सः विदु ॥ १ ॥
 ह स खि ह स्व या अ गु गु स्व या न्या जि
 थ क स थ ह त्रि न ७ स सिय स न ॥
 लूम नि अ २ नू ग ल ला या थ ह न नू
 ग ल स व धू नि इ या अः विदु ॥ २ ॥
 त्राग ॥ कला ॥ गल ल ॥ विद्या ध त्रि ना
 ह क य म हां सा या व क जा गि नि सं ग
 ॥ ६ ॥ विष्णु म नि त्र स नान न्द २ ॥ जा
 ग य ला ग य स थ थ वि मा नाः वि द्या ध त्री
 ॥ १ ॥ को टि दि वा क त्र नू नू न स व

रविदु रवपि ॥ २८ ॥

रविद्या ध त्रि ॥ २९ ॥

मुख॥ त्रगवर्धु बुद्धिनिनमधधत्रः विद्या
धत्रि॥ २ ॥ निनिह्वं पमि जननि ॐ ॐ
त्रि॥ विस्वव्यापिगः जगन्माहिनिः वि
॥ ३ ॥ घा॥ वरुखपत्र खलंगदाथ ॥ वडक
लाखरुः सनिमयमालं कनः विद्याधः
॥ ४ ॥ ऊयऊयऊगिगुअपदसदा
राखमल्लनिपः गुअपदगाअयः विः
याधत्रिगाह ॥ ५ ॥ ॐ ॥

रागा॥ कोला॥ गालजगि॥ हनूकं अपूत्रः
नलाधुन्यः लाहः वंदाय॥ गात्रधिनिनी
दासाधमदादान्यलाहः वंदाय॥ गालनी
नडधवेत्यमदादानः लाहः वंदाय॥ गा
लेधनजा ॐ वाकउयपात्रिदानः लाहः
वंदाय॥ १ ॥ ॐ ॥

शिदः हनूकं ॥ ३० ॥

नाग ॥ श्री ॥ गालवा ॥ मनिवृत्तनिवासिनि २
 श्रीवज्रजागिनि ॥ सिंधिनिपूनिः धनिद्वी
 श्रीधिनिपूनि ॥ १ ॥ श्रीनयनधुः दनि
 नत्रसुंदमा ॥ रवर्णिनीपूनिः ॥ रवास
 प्रकालेनासिनि ॥ २ ॥ नैलोकजधनि ॥
 त्रिः कहिनहि ॥ रवमादीका ॥
 गनसकृष्णकालिका ॥ पञ्चकपालला
 नकः नागशृष्टरविनि ॥ दालमागत्र
 नः शुर्जकटिनगवदन ॥ ४ ॥ मोह
 दविसुमत्रधः गाद उग्रमात्रा ॥ संकष्टमा
 त्रनीः कृपाकत्रा श्रीरवाधि ॥ ५ ॥ श्री
 पत्रगायमल्लः संसालयासाल ॥ त्रिपूक
 लनासिनिः कत्रादीदय उदास ॥ ७ ॥ ॥
 नाग ॥ श्री ॥ गालल ॥ कं ऊपालपत्रवमया
 सवसलपादिलउसः मुनिगारुहिलम
 संधान ॥ मन्त्रनयावर्धुः असहलभाटिमा

मनिवृत्तनिवा ॥ ३९ ॥

कं ऊपाल ॥ ॥ ३९ ॥

लक्ष्मणः का कलनानां ससान ॥ १ ॥
 सानिलसध्व्या विनष्टः पिष्टु लपायान
 क्रसः मृत्कालनप्रया नाविअ ॥ मूनमू
 नवेदकना नाना उपका नयाना मगपल
 जिन उपकालः ॥ २ ॥ यानं द्विजं शुभ
 लपा मूनद अया क रगमिया नाः कि
 खना अ दयाम इद अ ॥ स्व अ स्व अ कि
 पापि या खाल याना क रू हान्ध हानाः
 मूनं दानिषी लाक स्वने ॥ ३ ॥ ला क
 सन हान अल धया गु लि वि ल कि नः
 कि न ह का पन सन रु य माल ॥ थु गु इ ख
 रु म कि म ह ल पा ल ह रु ख ना म सा
 न अ या र ल सान ॥ ४ ॥ मृगि निया मू
 व गाल नृप मिषी रु य वि न षी रु य य
 न का स मल ॥ ला क रु या दे द रु ल नी

न
क्यागुपाद नलः स्वयमलकानूना दया
न ॥ १ ॥ ॐ ॥

प्राग ॥ श्री ॥ गललं ॥ कय २ कय वानडी ह
वेन्यानाथ ॥ ॐ ॥ कयगउ धात्रयाकमइ कि

विनन ॥ १ ॥ नत्रया कगमं इ स विज्या

कसा रान ॥ सागुलिलो कस मइ जालदि

विनाथ ॥ २ ॥ वेद सपूत्रान् मुनिः क्रिगु

थस यान ॥ नूनगया पाय कय रु न कथ

नन ॥ ३ ॥ मेन स मला अ मुनि माह मा

या जाल ॥ मूषि नरां साल थि न धन मया :

न अ ॥ ४ ॥ क्रिया सया क्रिया लिस इ ल

थप नाथ ॥ द वृं वरि सुख रु नि स्व इ न्य

दयान ॥ १ ॥ ॐ ॥

प्राग ॥ श्री ॥ गाल जनि ॥ द द न श्री रु वृं न

वविध नि स्व द्वाय ॥ ॐ ॥ सव स इ ग नि डि

२ कय २ रु ग वान ॥ ३३ ॥

६ इ न्य श्री रु ॥ ३४ ॥

गच्छिच्छेत्सदायः ॥ १ ॥ मयाजाह्नः
 स उमाजिनः कननउपाय ॥ याना २ कटन
 नमस्तिउादाकायः ॥ २ ॥ यामम
 ह्यथनिधिसकुलयावदान ॥ मयास
 मयूसवानलोकसकायानः ॥ ३ ॥
 मयामयनिसधउासुननवाध ॥ ला
 नकंसदुग्गमयामधसमृधिसानः ॥ ४ ॥
 ॥ ४ ॥ ॥ गदानथउासुसुइधः
 लमाल ॥ इहाउानदुसस्वयकसयाइ
 उमल ॥ ५ ॥ ॥ धरुगासनिधिसमृत्वा
 कलनसिक ॥ इः स्वयाषकायमवसरः
 अपगिगः ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 जिनः अन्यगया माला ॥ स उमलपावोध
 ममयाकविवालः ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ममनाथसिसयाइनेउमन ॥ इः स्वहा
 नोसमृदगकाइनेजियातः ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥

प्राग॥ श्री॥ गालस्तु॥ हादः ऊयं ऊयं रुग याजः
 स्वः स्वहृत्तन॥ कामकाधलो रुमादः श्री
 धिप्रधर्मसाल॥ ॥ ॐ ॥
 प्राग॥ धनाश्री॥ गालदामां॥ श्रीस्वधुयावासनान
 पुनया रुसन॥ कलियापदलदयदन्नगधि
 तिन॥ धिप्रं श्रीनात्रायनः कलियापदलदा
 यदन्नगधिजिन॥ १ ॥ लूमसदयइःष
 यास्वजिन॥ नामलाकदुन्यमइगधिनक
 दिध॥ धिप्रं श्रीनात्रायनः नाम॥ २ ॥ मल
 नन्यमगमनं लाकनाथनाम॥ ययाधम
 दलदयमनूकं रुतम॥ धिप्रं श्रीनात्रायन
 यया॥ ३ ॥ हिदासयाहिपालिनिपायाप
 नम्बान॥ सीलसगयाजिजिनहनधयत्रान
 धिप्रं श्रीनात्रायनमिल॥ ४ ॥ ॐ ॥
 प्राग॥ धनाश्री॥ गालस्व रुमि॥ नात्रायनरु
 गुयासिसगनविश्याक॥ ५ ॥ किनिहिद्या
 स्वगाउन॥ मृगिनशुंधनरत्नाल॥ ऊऊन

रुयं रुयं रुग याजः ॥ ३५ ॥
 ॥ ३५ ॥
 रुयं रुयं रुग याजः ॥ ३५ ॥
 रुयं रुयं रुग याजः ॥ ३५ ॥

व क न का स ख उ न सं ख न का सः गु या शि स न
 स न वो द्वा कः ना त्रां ॥ १ ॥ हिल स ना ग या
 म नि द्र स थ ना ग या पा स ॥ रा ल स क र वा स
 म या गु ल सिया मा ल प्र रू रूः गु या ॥ २ ॥
 द्वा क क या वि ध मि स द या द य मा ल प्र रू रू
 द ना उ द न स न वि उ कि नः ना त्रां ॥ ३ ॥ नि
 पा ल या द्रु प मि थी इ य ल स्कु म ल ॥ व
 उ र्व धु त्रा द्र ला य रु का उः ना त्रां ॥ ४ ॥
 आ ग ॥ ध ना थी ॥ माल लं ॥ दं रु न नी मा ना
 मो दं रु ग दि स्वि त्रि आ सा ॥ ५ ॥ गु उ अ प द
 पं क रु ध्व न रु प ग प ॥ मो दि नि मू ना थ ड
 धा न क नी रु न नि मा ना मो दं रु ग दि स्वि त्रि
 आ साः रु ॥ १ ॥ रु न रु न दं र्व इः र्व न
 हि ह न ॥ मो दं द र्वि स न क ना र्व स न धः
 रु न नि ॥ २ ॥ नि न दि स रु न मा ना इ लि

रु रु न नि मा ना ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥

॥ ३ ॥

विमाल ॥ सवविह्वननकुयदहावसात्रः ॥
 ननी ॥ ३ ॥ सुमदयाविनूहि कानन्दगमि
 नात्र ॥ दविषद लाठी रुगमिमादथात्रः ॥
 ननी ॥ ४ ॥ धीज्जयकागननिद्रनिषगुनग
 ज ॥ निर्य २ दत्रसनदहागयानिः ॥ ननिमा
 ममाह रुगदिस्वनीमासा ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 लागा ॥ धनाशी ॥ मालरुमि ॥ रुगवान गुमा
 सत्रसनविष्काक ॥ ६ ॥ पथमयाहमि
 नमः ॥ लामयशसंवाद्य ॥ कमलसकागिन्
 यदत्रसनविलप्रहः गुयावास ॥ ७ ॥ वृध
 धम्मसंघः स्वप्ननकुम्भरुस ॥ विठ्ठत्रूपदन
 सनविलजिगः मूनप्रहः गुया ॥ ८ ॥ न
 मिसकोटि दवगन पूजाआगजाल मून ॥
 वंकाविष्मदस्वत्रसहिठ रुयाजामूनः
 गुयावास ॥ ९ ॥ धीमदामंशुधीनवड

॥
 रुगवानगुया ॥ १० ॥

दासखजआस ॥ लखदकागलगाउआमिनु
 पपूजायाकः गुया ॥ ४ ॥ यदुदगाउलआ
 मिनुपगाकपूल ॥ साकि कत्रनामइलपं
 कृपुत्रिदयकलः गुयायो ॥ ५ ॥ कपाल
 याकृपुमिषुत्रदविमधनि ॥ कृककृया
 मधनथपूत्रयाजाविउप्रहः गुयायोसन
 सनविष्काक ॥ ६ ॥ ॐ ॥
 रागा ॥ कडकोला ॥ गालपगा ॥ हायरमनाह
 प्रा-जनि ॥ ७ ॥ वताइयावचनसइधउ।
 नायाजात्रानि ॥ महि-इमननाजायाथास
 हायर ॥ १ ॥ कार्वनिकदसयापडांला
 कदकोत्रानि ॥ धनमसंगयाउआनदन
 दानाः हायर ॥ २ ॥ हनिरजिकनमयाः
 नपिछात्रिंआनाउन ॥ सपनसमखना
 थविजागइलः हाय ॥ ३ ॥ हायरधुंध
 निरुगगमादिनित्रानि ॥ गनउआस्वत

हायरमनाहगा ॥ ४० ॥

अनउम्रयानपियातिः हाय २ ॥ ४ ॥ नाऊमू-
 मूकदकभायागालगाउ ॥ मनाहनापियाति
 मलनिउमः हाय २ ॥ ५ ॥ कपालयाकुक
 पतिशुपिधिविनवोक्रम ॥ झाकक्रयामनन
 यपूननयाउः हाय २ ॥ ६ ॥ ॐ ॥
 तारा ॥ सानंग ॥ गाल ॥ यंवमां ॥ रुसिनिरुपुः
 सेखनवकन-गादापझ ॥ वगु रऊनार्गयन-
 मऊदागा ॥ गेलाका ॥ स्वत्रमहाविष्णु ॥
 दादाद-नंदकूमात्र ॥ ॥ ॐ ॥
 तारा ॥ सानंग ॥ गालया ॥ मनहनिस्वजा
 रुदलासखिविंदावनजा ॥ मन ॥ ॥ शुनी
 यमनिविनकि कनकनऊनी ॥ विनहसहन
 मनिपानपूत्रषविनुः मन ॥ ७ ॥ गमउय-
 दपनिशीननवाहाइननिय ॥ दखगमोह
 क्यगुमनिपगुनः मनहत्र ॥ ८ ॥ ॐ

४१ ॥ गवि
 रूरीरुपु ॥

४२ ॥
 मनहत्र ॥

२ राग ॥ सारंग ॥ माल ॥ पंचम ॥ ऊ रागवानः

सामकिल्लाबनिपन्ननिगात्रा बहुदिगह

गवानः कत्रूनदाना ॥ न० १०० ॥ स्वतः

हावृष ॥ श्रीधर्मशालु ॥ ॐ ॥

२३० ग० सा नैरा गालखा ॥ ऊर्ध्वं २ रुगवान् ॥

श्री कृष्णमनपूर्वा ॥ १ ॥ श्री कृष्णमनपूर्वा

वना ॥ इयमयध्यायः समाप्तः ॥

भनमं शिव न आता ॥ नमः ॥ १ ॥ बुधधर्मः

संघयादननससॐ नया ॥ धर्ममूनिपु

या लवना ॥ दानसिलकां निविर्जं ध्यानः

यगध. वृध आस न न स्व या अः ऊ र्ध ॥ २ ॥

ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कासरमाधिया रावना ॥ नविसि पञ्चव

बुधनामसंगति-शक्तिलाय असमि अथा

ज्ञोः इयं ॥ ३ ॥ झाकस्य साविननिसव

५५. दशबोध॥ ४३॥ दश

५४३२०१७८९०

ननसससऽ॥ नया ॥ माहं गनूह नलवना ॥
लाकसनसऽ॥ यायऽ॥ असयावनसऽ॥ धर्म
नउधनयाऽ॥ अऽ॥ इयं ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रागऽ॥ सारंगऽ॥ गालपना ॥ हिमसनसवम
इवलनहिऽ॥ अत्रि ॥ ॐ ॥ नधिमहात्रधिवा
ननक्रसऽ॥ सदानधिन ॥ स्वाकहिनगुलिह
लंदालऽ॥ हिम ॥ १ ॥ इयंमिषामपमानया

लखलसखदानऽ॥ अवलसयानापुमिगधम
इकीधनवागुमानऽ॥ धूसासनयापमान ॥

कनकलनसनहिनाऽ॥ अऽ॥ हिम ॥ २ ॥ अ

गधयाऽ॥ अऽ॥ लागऽ॥ अऽ॥ माल्याइधसकूठाऽ॥ अ

लामनददनिहाहाल ॥ कयूइयामिरहा

लाऽ॥ मनधहिऽ॥ कंनदान ॥ कयायहूँ

अनिदानऽ॥ हिम ॥ ३ ॥ शुभसयागुनग

कगुपनवाससलाकऽ॥ किंयकमृदवदाम्

दायाक ॥ विलागऽ॥ यमिस्पाकऽ॥ लखलपू

॥ १५४ ॥
हिमसनन ॥

ऊसला ॥ वयसि या रुयन मरुभ कः रिम ॥

॥ ४ ॥ मनापगिया मनः इपति शी रिम स

नः विद्वन छि पा लि पा द ध्वन ॥ संसाल या

छुख सालः थू गु लि गुं वानं वान ॥ मव व्या क

त्रा जा कि न द्या यः रिम सन ॥ ५ ॥ ॐ ॥

रागा ॥ रूपा लि ॥ गाल ॥ पं व मो ॥ हा दः सव्य

पत्र वसि ऊः ऊन नि सु हि न न ॥ हा दः धन म

दन य क रिम मूत्र ऊन संग्र ॥ हा दः हन

खि न रुं यं क न नि ऊ गु न संग्र ॥ हा दः कृम

दि नि ना म रु यः ऊग ऊय रु य ॥ रा ऊ य व

द्व वि न न संग्र ॥ ॥ ॐ ॥

रागा ॥ रूपा ली ॥ गाल पली मां ॥ घूमि घूमी

खम सि व मा हा द व स्वा मि ॥ उ थि र ग उ त्री

स नि गं ग म मा गाः घूमि २ ॥ १ ॥ रि रि वि दूः

नि न वि का गिः व घं व न ला गि ॥ सि ल सू ल

संज्ञापन ॥ ४३ ॥ रा

संज्ञापन ॥ ४३ ॥ रा

सवत्रिन-त्रवल्लिआरपः घूमि २ ॥ २ ॥ दूकिः
 ग्गल दं वनूः गुगल ऊं पमाला ॥ दूकिं ग्गल व
 सहाः दूगल्लावाग दूलाः घूमि २ ॥ ३ ॥ रुच
 यविद्यापतिः शुभ ऊग गमा गो ॥ उन उहि उ
 लम न्नी रुवन दगाः घूमि २ ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 आग ॥ र्पालि ॥ गाल पलि मां ॥ बला ला ॐ
 धि २ इ न दस जा ॐ ॥ ५ ॥ दसां दस हि न
 नहः पूजा विधि कनियः बला ला ॐ ॥ १ ॥
 पंथ घूमि घूमि घूमि वक्र ला ऊं र्वा ॐ ॥ धी ग
 जि दु विक्रमे सा हे व कनियः बला ॥ २ ॥ ॐ
 आग ॥ र्पालि ॥ गाल लं ॥ मनि वन नान दमा
 मानि नंग र्मि ॥ ५ ॥ निगमे आग मव धि वि
 सात्र ॥ नन मन हनिय द रु ऊय हि सात्रः मनि
 वन ॥ १ ॥ नत्रय मि नाय कः मनि गुध सा लं
 ॥ रुनत्र धावा हा इ नः कवि हि य हा यः मनि
 वन नान द ॥ २ ॥ ॐ ॥

र्वाला ला ॐ धि २ ॥ ४ ॥

मनि वन ॥ ४ ॥

रंगराग ॥ मंगल ॥ गल ॥ वउमां ॥ हादः सवस्व
 नवीरुवका नाथः हादः नाथमहं धनदं वं ॥
 हादः नदीरि दीगनसाथ संघलिय नाथ
 यदनखविनाजिथ ॥ हादः नूनं गमूनं गनो
 पूनवाजिन दमनूदिमि कृगवाजिन ॥ हादः
 दः नाथयध अत्रंगवाऊ ॥ ॐ ॥

रंगराग ॥ मंगल ॥ गल ॥ वा ॥ कसमाया गलः
 सवकगमाहनन ॥ स्वतृपः नूतिनृपः नृपमा
 हिनिहनि नूवगात्र ॥ १ ॥ विवीधकला
 लयः काटि उका कलन ॥ कदय कग कयः
 नृपमाहिनिः हनि नूवगल ॥ २ ॥ ॐ ॥

रंगराग ॥ मंगल ॥ गल ॥ वा ॥ हास यायः वेदः
 वा नाऊ ॥ ३ ॥ नयाऊ वंमाया कलसया
 पूजा ॥ आरुगि नास कयाऊः हास ॥ १ ॥
 बालखकन्या याः मंगल याय ॥ कयपन
 कासया हाऊः हास याय ॥ २ ॥ ॐ ॥

सवस्वरा ॥ ५० ॥ रक

रंगराग ॥ ५१ ॥

रंगराग ॥ ५२ ॥

७

नागा ॥ आसावति ॥ गाल ॥ साधमा ॥ हादः ॥
दिनाथ श्री कमनस्वत ॥ हादः खनगानि मातः
नगाह विनूनाहि ॥ कहि ॥ हादः नन नूस्त्रा
गुनः पुनः नागाः ऊऊ ॥ गवकिननः खसागात्र
मात ॥ हादः वूधसगग गुमः ऊगा नकिनाथ ॥
कनं कविमाननथः काशुलमान ॥ हाहादः ऊ
यं ऊयं मेला कनाथ ॥ ॐ ॥

आसा ॥ आसावति ॥ गाल ॥ ऊय ॥ ऊय निश्च
नाथमहस्वत ॥ ॐ ॥ कपूत्रिया उनम्रयाः सि
लसम गुकलूयाः ऊसस कंदलरुलविया ॥
माटिया दालनगिस ऊरिन धूँऊ गुलियाः
ऊटसव प्रमानरूना ऊः ऊयं २ऊ ॥ १ ॥
नदिहिंदि प्रमुखयाः मिदं गाल थसं ॥
गपति ऊन असम्रया ॥ गउनिम्रखष नयाः
धूसाया म्रस संगयाः आनं दन प्याखनरूः

॥ ऊय २ऊयमिननाथ ॥ ऊहा ॥ आदिनाथ ॥ ॐ ॥

या अः ऊयं २ ऊ ॥ २ ॥ हादः सिवनाम का अ
 म्माया पाप द क रू ग अया अविना नम इका
 कम्माया ॥ कृपय मि न पालया शीत न वा हा
 इत या अ हि न रा त्रि प उ धा तः ऊयं २ ॥ ३ ॥
 ऊय मि न नाथ म ह स्व त्रं ॥ ३ ॥ ॐ ॥

रागा ॥ मूसा व त्रि ॥ गाल या ॥ ॐ स्व त्रि हि न
 मूनाथ या वि न मि द ह न्य २ ॥ काम या त स स
 ह ल ध त म क त स ह ल मी ह स जि ग ल इ हि
 ना अ ॥ क लिया का त न ग ल त २ पा प स गु म
 ध र ल व त थ जि त त म रु या अः ॐ स्व त्रि
 ॥ १ ॥ ऊप ग य या य रा धा प त या ध न स म
 नः ला रु न जि रु या गाल गा डा ॥ कू वू धि क म
 मि स न त २ ला य म ह हि व त न कृ पा द
 य ग ल जि त्व ना अः ॐ ध त्रि ॥ २ ॥ रु ग
 न रु न या हि न या ह न्य रु न नि हि न म

ॐ स्व त्रि हि न ॥ ३ ॥

नमः प्रपूजया नाविश ॥ शक्तिरुस्वस्म नलाल
नमः नृगि नृगालयाद्याल इः खदकहू न कंस
या उः ॐ स्वप्ति ॥ ३ ॥ ॐ ॥

प्राग ॥ आसावती ॥ गालपरा ॥ हनदः जय
निश्चिनाथ निरंजन ॥ ॐ ॥ नदिहिरिन्दिसं
मधः श्रीरु ॐ नाद ययमूदि नस्वत्रमिलिहं
नृधवृधनूपचन्द्र कलाधनः उ नमकिवृधु
मस्वतः हनद ॥ १ ॥ श्रीगिनिवाधरुधः

विक्रमसाहव नृपगिष्ठीमनिनाऊ गाहं ॥
कहनमनाथः दास तुमागाः नावयकिठु
रुहलददोः हनद ॥ २ ॥ ॐ ॥

प्राग ॥ आसावती ॥ गालवा ॥ गाजाऊमन्यस्व
प्रसिन्ननाथ ॥ यनमस्वत्रः नथिगमनम् ॐ
गात्रालगमसहा ॐ ॥ सदनरुवधः धा उ
ॐ हंतिः साहासिधिदवदविः गाजाः ऊ

रहनदं रुयनि ॥ ३ ॥

गाजाऊमन्य ॥ ३ ॥

मम स्वप्रसिन्ननाथ ॥ १ ॥ मनमोहनदत्तन
 श्रीः ॐः प्राजासहिमनदा ॐ ॥ वंकादिदेव
 गन श्रीकास इ आल. नैला कं नाथ दत्ता ॐः
 प्राजा रुम ॥ २ ॥ निलकाङ्कसंखवजा ॐः
 : सुमिवाल वंका ॥ दृग्ध ॐः इकिहा ॥
 पथः रुमपगिरु रुधपूः प्राजा ॥ ३ ॥ नै
 रुवदसमाननूपः सिनेल कमलसजिलः
 पुनसालधनगिरु रुधः कनूनाकासलरुध
 नः प्राजा ॥ ४ ॥ स्वप्रवाल विरुवृमा ॐः
 मूपत्राधमूपत्राध ॥ शुनियस्वामि. नारवा
 यिवालख. गुआपदवननसनाथः प्रा
 जा रुमन्यस्वन ॥ ५ ॥ ॐः ॥
 रागा ॥ आसावनि ॥ गालर्ल ॥ शुंधनप
 हवदधनिहालदखाभाहि ॥ ६ ॥ पूत्र
 वकर्तंगभाहि. क उन उया यहा ॐः ॥ वि

ॐः
 वंकादिदेव
 ॥ २० ॥

प्रजधनपति साहज गुमः शुं धन ॥ १ ॥ तु
 सात्रहि रधान ध्या ध गुमत्रहि शुमत्रन ॥
 मुनित्रपच यल सधुनिववनः शुं धन ॥
 ॥ २ ॥ यत्र मापसिंह साह वाहा इत्र शु
 सत्रध ॥ कालिदास सव क गुमात्रि चन
 नः शुं धन प्रह ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 जारा ॥ आसावती ॥ गालुजनि ॥ गुनूशः
 रुयन सासिनिवध रगवाध नूविनिवध
 न विष्ठाक ॥ ४ ॥ वंशानवपुयकाः स
 तस्वनिं वसा लायका ॥ मूलं कापूतया
 रु रु क्वयनं धन लायका विष्ठाक ॥ रु
 यनमा ॥ १ ॥ साहाद वंदम्वनूथय
 काः नात्रां यनं संखपूजका वनूथना
 सनागता गाः रुल धा साहायका नि
 ष्ठाक ॥ रुयन ॥ २ ॥ वायुदवंध रु

रुनूशः रुयनमा ॥ ५६ ॥

वायकाः नृगोद वंधूपथनकाः जनमत्रा
 जोदं दं जाना अलस विष का विष्का क ॥ ३॥
 उ नं दं दं कय का रि द्दु रा ध बा म सं गा य
 का अ सर व ना रा या क स विष्का ना अपूजा
 रा व क या अः क य न ॥ ४ ॥ ने त्रि त्थ र ग्धा ने क
 त्र द क ला क क ह दि ट धः आ का स न स्था न अ
 रा ग का अ आ न द न वि ष्का क ॥ व त्र ग क
 त्र ल सा ल शी शु त्रि द्र म हा ना कः का क क
 नृ ना थ क न गु त्र या क स नः क य ॥ ५ ॥ ॐ
 र मा ग ॥ मा लू अ ॥ मा ल ॥ जी मा ॥ हा दः आ दि सं
 र ना थ म हं शु त्र क ल द वंः हा दः स सि मू ल
 क ठा धा त्रि मूर्ध व द्र स्व रं ॥ हा दः जी न य
 न मूर्ख नृ पः पां द व र ख नः रु स मृ ग ल क म
 दं स नृ वा कि न ॥ सा न द म हं स्व त्र द वं ॥ ६ ॥

॥ २१ ॥
 ॥ २१ ॥

रागा॥ माल॥ आ॥ गाल॥ वा॥ जयनमा॥ श्री॥ =
 ननाथमहस्वर्ग॥ ॐ॥ कपूत्रिवदनसि
 वनावाकूधुलहाःमनिमयमंगलरत्न
 ना॥ अत्रिगूना॥ धस्वर्गः नंदिरिंदिसवरा
 नःसाधलियहदत्रखवित्राऊः जयनमाः
 ॥ १ ॥ धुननत्रमूनिजनः आदियसवरा
 नःरुजनकत्रियहदत्रखध॥ कनि २ अप
 राधऊमाकआपूरुगुमः गुमवीनूऊ
 ननदिक्काहीः जय॥ २ ॥ मूनाथसत्रनग
 निविननिकत्रीयमनिः मूनाथयानिर्गज
 नराणि॥ निपत्राऊत्राऊउविक्रमसाहवः
 नत्रपनिकत्रियविबालः जय॥ ३ ॥ ॐ॥
 रागा॥ माल॥ आ॥ गाल॥ रा॥ उ॥ हादः मूंग
 पूत्रिजा॥ ॐ॥ बलामनकं उदास॥ यकवि
 रुयकमशकत्रियहामत्रिमनः दलिय

रुयनमा॥ श्री॥ ३०

रुयनमा॥ श्री॥ ३१

नारायण ॥ १ ॥ हादः समवात्रधुनियकैः
 मनकं उदास ॥ हादः प्राजिन्दविक्रमसा
 दः हनचृपसिलामनिः वलिय नारायण ॥ २ ॥
 रागा ॥ मालआ ॥ गालस्वर्गमि ॥ धुंधननारायण
 सात्र ॥ ३ ॥ धुंधनधुलधनसंज्ञमसिलस
 वृदामधिदम् ॥ कवीनक्रमात्रधनधनरु
 कलाकनाथः धुंधन ॥ १ ॥ हाय २ प्राधः
 समाननारायण क्रान्तः आना अजिन अन ॥
 सगुनिरानिर्दयानव्यत्रधनरु नः लाकः
 नाथः धुंधन ॥ २ ॥ गुरुधामसुनमरुलः
 नारायण धुंधनगुरुधामसुन ॥ सपनाससखः
 नाथ धनधनरु नः लाकनाथः धुंधन ॥ ३ ॥
 विद्याधनिदवि ० स्वनिग्रागधरुलः नृम
 मित्रनरुनियाय ॥ हाकसुयाविधानिनला
 कनकाया अः लाकनाथः धुंधननारायण
 सात्र ॥ ४ ॥ ॐ ॥

धुंधननारायण ॥ ३२ ॥

॥ ३३ ॥

२ रागा ॥ माल ॥ मल्ल ॥ स न गुनः वि अ जि
 न वृध या स न द ॥ ॥ क लि या जि ज न स सः स
 रु या य ज रा ध्या न ॥ काम को ध ला रु स गु स
 न ॥ सा मा मा ह पा प द जि वि ना उ म जि न ल थ
 नि द्वि द्वि द्वि या स त्रि ल जि दि दः स न गु नः
 ॥ १ ॥ क ल या जि ध र्म जि न न य स ह दि न
 दि द ॥ इः ख स जि इः ख न न गु न न ॥ नू न्य रा र्थी
 ग ल पा न म ल गा अ य नि ज द ख ल या रु या
 जि धं दानः स न गु न ॥ २ ॥ नू ना थ या ध व
 च न द न अ ध र्म या स्वा मि ॥ न य स थ जि पा
 पि अ ना अ ॥ वा ना य अ जि न ना र्थ वि अ वा
 स दि व न न वा नं कि नं थू गु लि रु ध्या नः स
 न गु नः ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 २ रागा ॥ पह लि या ॥ माल वा द ॥ द स म न क ना
 अ न क्षे द य स र्थान हः ॥ न म व द्र म्मा र्थ ह
 लः न ख न्य ह सा त्रि नि हः ॥ १ ॥ ॐ ॥

२ द स म न क ॥ ३ ॥

२ त्राग ॥ पहलिया ॥ गालगद ॥ छुंधत्रिकन्यमालः

धिकदयकाउ ॥ ॥ गनधच्छिमायाथनन

नकुलच्छिषुजनसगनकदून्यथनकाउ ॥ न

प्रयाश्रुगमथनश्रुगुटिधकत्रुमःसाहन

लसिकदहनराउःछुंध ॥ १ ॥ रिन्नजिलस्वाः

ननमउल्यरवलमूनःविनांपूत्रवनहृद

निउ ॥ निपकागिपत्रकासःझायलसिकव

वनःगनराउमूनहुललायःछुंध ॥ २ ॥

२ त्राग ॥ पहलिया ॥ गाल ॥ यकगा ॥ रगावानः

लाकनाथःॐस्वत्रहृऊ ॥ विसत्रनधदिनी

थःकंउलपगिपालःहृःकत्रुनामयःशगां

नत्रकाऊ ॥ नाडीनाथःदिनाधधःमच्छिद

त्रनाथःत्रथजाग्रादत्रसनलाकप्रसनः ॥

ऊयहृः ॥ जागानत्रदमहात्राऊः ॥ १ ॥

छुंधत्रिकन ॥ ३३ ॥

रुगावान ॥ ५१ ॥

२ रागा ॥ पदलिखा ॥ गालश्री ॥ पूत्रुखपत्रस
 मनिमसि ॥ गवक्रन ॥ ३ ॥ ॐ धनत्रनगनया
 त्वनि ॥ अत्रिक्तु नसः ॥ रागायाह ननसहृया उ
 पमान ॥ किं धनक्रयापूत्रुलिस्त हो ॥ अपलखा
 नरुल ॥ शुवास के सत्रस ॥ आना ॥ पूत्रुखपः
 ॥ १ ॥ खलयापूत्रुवया रागधन द ॐ व
 नः दयकल ॥ शुख नसः ॥ हृया उपमा ॥
 संसालस ॥ न्यत्वहिः ॥ धमनगुधया ॥
 नूवलायावन्ननसिया ॥ पूत्रु ॥ २ ॥ सद
 रुधः ॥ वधनि रुधः ॥ रलय रुयूत्वसः ॥ नित्रिः
 गानिसुगनित्रः ॥ दया ॥ हृवान ॥ ॥ ॥ वि
 रुमखुसा ॥ हृदः ॥ खदनस्व ॥ ॥ वि ॥
 नकिविननियत्रानः ॥ पूत्रुत्व ॥ ३ ॥ नत्र
 पकि रूपः ॥ ॥ ॥ मल्ल ॥ हृयायूत्वसः ॥ सिया ॥ ॥ ॥
 धनि ॥ न विधटि ॥ आना ॥ ॥ शुपूत्रुत्वः ॥ पू
 त्रुत्वपूत्रुव ॥ ॥ पासा ॥ सायस्व ॥ ॥ ॥ विः
 यक्रयाथ ॥ खपत्रिमानः ॥ पूत्रु ॥ ४ ॥ ॥ ॥

पूत्रुखपत्रसः ॥ ३४ ॥

रागा॥ पहलिया॥ गालगज॥ हादः घनधाह
स हातसाथः कोत्रि नासंहातिरु॥ हादः रुध
विनः द विनिहः सवत हा न द द विनिह ॥ ८३ ॥

रागा॥ पहलिया॥ गाल रुटि॥ बल ह पना
ल मूव पूर्व द व ह ह ॥ निरु गुध स व मिलित
सुख सेव ह ॥ १ ॥ नृपति म क न म निग
अन ह ह ॥ दि नि ठु न गुध न स रा अन द व ह
॥ २ ॥ ८३ ॥

रागा॥ पहलिया॥ गाल लं॥ स्व अ पा सा रा धा
न मि रु न ॥ १ ॥ व न स व ठु त्रि पू स वि द्या क
प्र स न ॥ वा या थ डिः पि वी अ या म ला क व द
नः स्व अ ॥ १ ॥ रु मू धा या नि त स रु स्व दा या
का य न ॥ रु या अ डि मि सा रु ध ऊ स अ न यः
नः स्व अ ॥ २ ॥ क द म मि मा या क स कि न का
अ दि ल ॥ ठु ल स लः वा ना य न मि त्वा या रा अ
नः स्व अ ॥ ३ ॥ कू क न का नू रु या क स गि व

घन धा न ॥ ८३ ॥ गव

बल ह पाना न ॥ १० ॥

स्व अ पा सा रा ॥ ११ ॥

वन ॥ केन कलः केसे गल नूनग कत्रान
 स्वअपा ॥ ४ ॥ इंसदलदिम हूक अ
 सलमना अ ॥ मनधाम हूया मलमनि
 अमिजनः स्वअपा ॥ ५ ॥ पितगियापा
 मनदिना अजिगल ॥ लसिकलः जनलाना
 प्रसयासा अनः स्वअपा ॥ ७ ॥ नाग
 नसाध्व जयाविनगि हूहन ॥ मधप्रथः पूत
 या अगवपालप्रहनः स्वअपा ॥ १ ॥
 रत्रागा ॥ पहलीया ॥ गालरा ७ ॥ हन्तिद्विधी
 जानमेवम इमून्यगस्वया अ ॥ १० ॥ नऊ
 यास्वगान अम सदनगवपालप्रह विद्या
 लनियाना अस्वयजिनः हन्ति ॥ ११ ॥ पः
 नमश्चक्रायदिन मिसाया हूवल ॥ ह
 नयायेम नंकि नकिववध देन्यइलः
 दागापात्रयाना अष्टा अदिनः हन्तोः
 ॥ १२ ॥ हगासन अयाथनस हन्ति

हन्ति द्विधीना ॥ १२ ॥

तारा ॥ बलादि ॥ गालपकुमां ॥ अग्निन
 सुंधनदंसः कान्किपूत्रिनामहयस्वअ
 ॥ अन्धखसवागमगिळ् ॥ अखविष्कुम
 मिधनमयाधस ॥ निपालमृधिपनिः
 राधइयपुपनिपुंठ उत्रपमित्रसनस
 नउमित्र ॥ नसनसनउमिरुधपात्र
 वमियाकपत्रधिधि कनकमृशगुमि
 ॥ ध्वदः दंसदंसयासात्र ॥ दाधयानाअ
 योनधिधिमूनकाअ ॥ मित्रियापूत्रखः
 कृष्णधनमयान्नासा ॥ श्रीरवनलक्तिः
 देविनल्लाक ॥ श्री ॥ लस्कनमल्लमहाः
 प्राऊ ॥ ॥ ॐ ॥

तारा ॥ बलादि ॥ गालसं ॥ रत्नाक.रव
 नल्लाक रमिसकासकयात्रथने ॥ माः
 हालाककर्मल्लाकनयल्लाकसथल्ला

(मृगिनिजुधन ॥ १५ ॥

(रत्नाक.रवने ॥ १५ ॥

(

कजाकत्र ॥ १ ॥ धर्मगलानूगलस नउ
 क्रिपमान यथमयाजाकाउसगलवाहाल
 ॥ १ ॥ नथकासपन्नदवि हनठटंक्रिल
 यलिकाकत्र ॥ हाकृषुधास्वानगल नढाअः
 थंथकसालगणकत्र ॥ २ ॥ आसजाकास्वः
 कन्नन धसनहाउमवाउत्र ॥ कसिकाउ ॥
 हवत्रनक्रिचाउनमवालग ॥ ३ ॥ शुवर्ध
 पुनियाजाकाउस लगनसमाईलस्वयन
 ॥ शुयस्वकनिदवलाक ॥ स्वत्रियाविमान
 सवासन ॥ ४ ॥ कर्कटकयाहनिमनिरुल
 याकाकलमाधन ॥ लोकनाथ नामकास
 नथवत्रनानजालधीनिवासन ॥ धर्मग
 लयानूगलसं ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 रागा ॥ वलादि ॥ गालवा ॥ जय रपनसिक्
 न्यसत्रंग ॥ निजगुधसंग ॥ कत्रवद्वत्रंगः

॥ १ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥
 ॥ ४ ॥
 ॥ ५ ॥

यकयसत्रिलजनिमूखनित्रः बहुविधत्रूप
धन ॥ १ ॥ वात्रियत्रायः सदनसनात्रथ ॥
धनथ ॥ सात्रथनित्रसनी कहः कूमदि
निनाथजगनजयगमः ॐ निरुगुधसंगु

नधनत्रय ॥ २ ॥ ॐ ॥

रत्राग ॥ वलात्रि ॥ गालसं ॥ सनेसमादन
यात्रिधुनिय ॥ ॐ ॥ सनेसिजयात्रपिया
सधवहूत्रियाह ॥ वालनमूषत्राडीत्रसलि
याहसत्रः सनेस ॥ १ ॥ नत्रपतिमनित्र
नवाहाइत्रसाहव ॥ त्रिजिदलमिधुनः
पतिहं याहसत्रः सनेस ॥ २ ॥ ॐ ॥

रत्राग ॥ वलात्रि ॥ गालवा ॥ धुनियरसनी
यगुमचवददनमूखधुनिय ॥ ॐ ॥ नू
पूत्रवदवियः सादनरुं य ॥ वचलः
मत्रिमनहा ॐ यगुमः वचव ॥ १ ॥ ॐ
रुनहा ॐ यगुमथरुं य ॥ रुवत्रनप

॥ ३६ ॥

त्रिसप्तसहस्रं हं तु सर्वं ॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
त्रिसप्तसहस्रं हं तु सर्वं ॥ ३ ॥ ॐ ॥

त्राग ॥ बलाति ॥ गाललं ॥ दधगुनलमनि
अगाललमरु याजिन ॥ धुंधनि दधनः
मगललगुमाधजि अः धुंधनि जिववध दं अ
॥ १ ॥ रवलयाजिलम्बान दानं किनलम
नि अ ॥ रवलमरु कत्वान धितनम दान
रवानः प्ररु इ कि विन मि दं अ ॥ २ ॥ ॐ ॥
त्राग ॥ बलाति ॥ गालल ॥ धुनि य इ कि दधं
धनि वाट सुनि य ॥ ३ ॥ मूकलिगपानि मूत्रव
मूत्रपानि ॥ विमलागिस्वलिखिलः जिवध धुंधनि
वागसुनि य ॥ १ ॥ विधमि वीनु मूत्रव मूत्रप
नि ॥ नहिमान गालविलः जिवन ॥ २ ॥ ॐ ॥

॥ रवनगुनलम ॥ १२ ॥
॥ धुनि य इ ॥ ६० ॥

२ मया प्रियका को ॥ ८५ ॥

२ त्राग ॥ बलादि ॥ गाल्लं ॥ मूयप्रियकानि
मनिमनिः शुवाहनाममंगनि ॥ कूंगलाना
मसखिवृधिसुध क ग आल मूवहमसराः
कनन्य कूजा ॐ ॥ १ ॥ विक्रमगथागनः प
कूवृधध अइगो भसि ॥ रूपनिपिथिविनः
विक्रमसाहादेवः मूवहमसरा कनदं कू
जा ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥

२ मया प्रियका को ॥ ८६ ॥

२ त्राग ॥ बलानि ॥ गाल्लं ॥ लायसत्रयः मदि
दत्रनाथयासत्रय ॥ ॐ ॥ पथमअसजा द
बलिवाच्यानाः सनानकाजायाक ॥ पे
मनपयगवलः धलपका म अयधालसिल
संलाकः सत्रय ॥ १ ॥ मूलं रु असजा पूः
लवाविद्यानात्रथयाइनेविद्याक ॥ लाकः
आहत्रवनः अलवाकाधम अ नथकाघू
शुहनकाकः सत्रय ॥ २ ॥ अमयात्र

थसघमासंरुनाअगधिधस्वरुजासाः
 क॥ तथयाकसःपगुलियककादगठमं
 द्विलाअवाकःसत्रध॥ ३॥ असयाजः
 वाजास्वयगुंधकाअलाकजागुगुंवा
 क॥ असयात्रधजाःध्वकचूलाअलाक
 जागुनिनंगधकःसत्रध॥ ४॥ झाकम
 गुनाथयाग्रासाकिक्कमयाजीरुवधन
 झाजायाक॥ जोगाधनेप्रमल्लयागउन
 रुजनाकिक्कगुंलाकःसत्रध॥ ५॥ ॐ॥
 रारा॥ गजविजय॥ गालवा॥ जयकनूसा
 मयसकिन्दप्रनाथ॥ ६॥ वालखण्डुर्जया
 उनसत्रिलयास्वरुगधःलूयामगुकनपूया
 अ॥ गजमाटिमनिमयःकखानगालसः
 लाअथ्यरुधमदगंउयमानःजयकन
 नामच॥ ७॥ वृंक्षादिदेवराधःरुगगी

रजयकनूनामय॥ ८३॥

नमस्तस्मै धरुवनाऽकिपूतृषपूतृषः ॥ मुनि
नमस्तस्मै रुरुलपाकिवेननयगापदे
ला कवत्रदानः जयक ॥ २ ॥ कनूनाक
नकखसममिसननसदस गलस्वगुः
रुवधदिलाऽः ॥ दालकिमृगुयागुधः
जससषनाराधह ॐ ॐ ॐ यायुवनरवा
नः ॥ ३ ॥ दविबदलमिनलावीनटिः
ववधदयादसंठनरगावाधः ॥ धनि
ललिगापूनीयाः कामूधविष्णुसलयाप
ननयाहृन्धकपाधः जय ॥ ४ ॥ ॐ ॐ ॐ
राराग ॥ राऊविजय ॥ गाल ॥ रामा ॥ नमा
नमादवित्रीरुवन्यात्रानि ॥ लं ॥ जरागमा
दिनिमागाधीविद्याधनिदवि ॥ प ॥ भुर्ज
कटि मऊथूल २ असः दविरुवानिणी
रुवन्यात्रानिः ॥ वा ॥ गालसमालयामा

नमो २ दवित्री ॥ ५ ॥

लम्बुगिस्वरालाकः॥ लं॥ सिलसमकुक्कल
यावन्त्यकलाधिकः नमो॥ १॥ विष्णुस
गिरुदमगिसंगगिरधयाथास॥ प्र॥ ज्ञाः
मिनीगधमून२काऽऽः दविरुवानिडीरु
न्यात्राधिः॥ वा॥ हसलमूरननअसमूमि
स्वरालाकः॥ लं॥ मधुनसंदात्रयासत्रस
धविष्ठाकः नमो॥ २॥ झाककक्रयागन
सनकिचत्रधसत्रनः॥ प्र॥ कत्रधमदयाऽ
किन२स्वऽऽः दविरुवानिडीरुव न्यात्रा
निः॥ वा॥ झाककक्रजयप्रकासयाऽमसया
ध्याहाः॥ लं॥ संसालउधनयासविष्ठाक
त्रसनः नमो॥ ३॥ ॐ॥

॥ रागा ॥ त्राकुविजय ॥ गाल ॥ जीमां ॥ मेला ॥

कंक्षाधृष्टीकनूनामयस्त्वेऽगवर्धुप्रः

काश्यः न निसक्वटि दवजग न सुभा प्रा

नि उधात्रनं ॥ मम इः खनात्र दक्षव

गुवर्गहलदाना ॥ श्रीला कक्षाथचनन

सत्रधा ॥ ॥ ॐ ॥

रत्नाग ॥ कंदान्न ॥ माललं ॥ रुबानिहं धूगु

इः खरु ग कि न धार् न ॥ ५२ ॥ वाल ख या ज

प्रमत्तद्विक्रियायसत्रे ॥ स्वयं श्रुत्वा

नृनामिखाधः खानिहं ॥ १ ॥ धन ऊह

कोलनाउरुयधुधमृधर्मसत्र॥ मृगध

नियामधपूत्रया अः रुवानिह ॥ २ ॥

द्वत्रिंशत्तमोऽध्यायः

सत्र ॥ मध्यमयना कालं ॐ नमः ॐ रुवा

निहं ॥ ३ ॥ वायमसूक्ष्मज्जन्किर

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८५ ॥

॥ नमो नमिह ॥

二七

क्रियाधंदाधन ॥ अनयाजिसनिलगनाः
 हवानिदः ॥ ४ ॥ झाकक्रुकिवालवया
 आसाइलकिरुक्रयात्र ॥ जनमजत्रसकि
 सत्रनः हवानिदः ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 त्राग ॥ कंदात्र ॥ गालपलिमां ॥ मनत्रसरु
 त्रिरुत्रिवलामुवजा ॐ ॥ वउदिगमुखद
 खिसधधित्रकत्र ॥ नउगालपूत्रमखलि
 यखलिय ॥ १ ॥ निऊरुगुधकदत्रसे २ ॥
 ॐ ॥ त्राजिद्विक्रमसाहनूपगुधगाः
 नउगालपूत्रमे ॥ २ ॥ ॐ ॥
 त्राग ॥ कंदात्र ॥ गालयगा ॥ कीरवधजा
 नहि ॥ ३ ॥ खलामुवमधत्रथपूत्रनरु
 ॐ ॥ निऊरुजयत्रसधत्रगनसिला ॐ २
 ॥ १ ॥ लसिकसिलामनिनूपगिदना ॐ
 ॥ रुधत्रनवाहाइत्रकविधुत्वगा ॐ २ ॥
 कीरवधजाहि ॥ २ ॥ ॐ ॥

मनत्रसरुत्रिया ॥ ८९ ॥

॥ ८८ ॥ कीरवधजाहि ॥

हे त्रिनेत्रं ॥ ८१ ॥

रत्नाग ॥ कंदान्न ॥ गालः ऊर्गि ॥ हृत्त्रिनेत्रं
मानः विधाद्य कत्रात्रिः हृत्त्रिनेत्रमान ॥ ५ ॥
त्रननकित्राऊसकाहाऊपत्रात्रो ॥ संग
मिलिकाहाचलात्राऊपत्रात्रिः हृत्त्रिनेत्रः
मान ॥ १ ॥ दाहावकनासकाहाऊवि
द्यात्रो ॥ रूपरुन्नागुधसाऊ कत्रात्रिः हः
त्रिनेत्रमान ॥ २ ॥ ॐ ॥

हे त्रिनेत्रं ॥ ८० ॥

रत्नाग ॥ कंदान्न ॥ गालः लं ॥ सखिहं सप
नामे ग्रा ॐ लाछुंधनि ॥ ५ ॥ कमलधय
नवसमनमाह कियान्नसह ॥ लियामिह
त्रकिरुमूलालं सखिहं ॥ १ ॥ विधुलिन
कंसवमनमाह कियालसह ॥ ऊवदंषा
त्रकिरुमात्रालं सखिहं ॥ २ ॥ सपनामे
दंखाऊहि पदसपुनरुवमाहिहं ॥ विन
दखप्राधमात्रऊ ॐ सखिहं ॥ ३ ॥ ॐ ॥

२३३॥ कंदात्र ॥ गालः ऊटि ॥ रुवानिचिबत्रनसत्र
 धसदान ॥ ५ ॥ थूगुलिमंसात्मकपनमय
 रुलधत्रमविवात्मक ॥ सादयावसु
 सन्निधि रुल्लपूपापया रुयधमगपाकः
 रुवानिचि ॥ १ ॥ रूगुलिवर्गधजायलः
 पाउमलसलीलमनिश्चरवना ॥ पल्ल
 लखरु निःत्रः थूगुलिजिउउमिमवाधधि
 त्रनसदाधः रुवानिचि ॥ २ ॥ ठुमकिक्म
 दिनिदंविधरु रुल्लपू मगुकिरु रुधरवना
 ॥ मूनाथरुनपधि सत्रधमवमइ चिक
 रुविनाधसदाधः रुवानि ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 २३३॥ कंदात्र ॥ गालः पुना ॥ गुआरुआमूक
 त्रससिनदंठा रुवान ॥ ५ ॥ नूयगुधवंपा
 स्वान वासनाह नया म्मा ॥ थआनूयधम
 न ॐ सी ३ रुवमा रुवजा ॥ गुआरु ॥ १ ॥ रुव

रुवानिचि ॥ १५ ॥

॥ २२ ॥
गुआरु ॥

दावत्रिस्वानयामालकाखासमयाकिन ॥ म
 लमनगभ्यजिधनगालमकिनः गुआरुः
 ॥ २ ॥ कथाउभजिमनसउ० निष्
 योद्यसन ॥ आविनादाराथजिधलूमस
 वानः गुआरु ॥ ३ ॥ ०० नामथंपीनाम
 थंरुसिदथूसजिलाक ॥ राधउभ-गन
 वानउभथासमइः गुआरुः ॥ ४ ॥ गुः
 सहउजिलस्वाध-नस्वानाधकृवाध ॥

ॐ हनासमन्वालयमध-हनिधमकाउः
 गुआरुअमूके ॥ ५ ॥ ०० ॥
 ॐ रारा ॥ कंदात्र ॥ बालः इनि ॥ धुनगु
 ॐ त्रुजिह ॥ राविनजानि ॥ हामात्रिपूत्रां
 ॐ धत्रकाहारासधकिथोदः धुधगुत्रः
 ॥ १ ॥ सुनदिदिनायक-राविधजानिः
 ॥ हामात्रिपूत्रांधत्र-काहानपसिक्कि
 थोदः धुनगुत्र ॥ २ ॥ ०० ॥

२ त्रागा ॥ विद्वांरात्रा ॥ गालप्रज्ञा ॥ देयाशविन्
छुनत्रसविन्नहिदमात्राः ॥ ६ ॥ वधिमति
ऊउरुधविन्नहिधिप्रः सवत्रसकानिद
होस्वत्रः ॥ वासधदखिजकत्रसखरुव
त्रा २ छिधकनदेहोसदानः देया ॥ १ ॥
हप्रियधुंधनिवागहमात्रिः हासिमखयः
लाम्भकपुत्रि ॥ श्रीगिनिवाधरुधविक्रमः
साहव २ चत्रधकमलउसध्यानः देयाः
नविन्सूधत्रस ॥ २ ॥ ॐ ॥

२ त्रागा ॥ विद्वाग ॥ गालरुमि ॥ निऊ २ कूलः
देखिरुगधकत्रियः ॥ ६ ॥ मानन्दरु
नधत्रसिचलाजाय ॥ सनत्रथयत्रनरु
आमतिगाऊः निऊ २ ॥ १ ॥ पापिदाहि
दाधववन्धरु ॐ गाऊ ॥ गाऊन्दविक्र
मसाहादेवनधुरानः निऊ २ ॥ २ ॥ ॐ ॥

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥

॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥

रत्राग ॥ विहंशा ॥ बालप्रभा ॥ तुं धूं धूं मा
 लिपिगमको ॥ ५ ॥ सपनभयनकह
 नागात्रमा ॐ यः ऊ उरुहात्रससवलियः
 ॥ म्रवधमिलनः काहा ऊ उ काहा कहुः
 ॐ वित्रदनसाहिनिनिनः तुं धूं धूं ॥ १ ॥
 ॐ धित्रऊकत्रनुमः कीरवधकोसवः पदस्य
 दलखिदंखाउ ॥ धुत्रनत्रकिंहात्रः नाः
 गात्रदानवः ॐ नसापियपहिआनः तुं
 धूं धूं ॥ २ ॥ ॐ हासांनहिभत्रः पिगमेहा
 सखिः हं निलखा म्र उात्रनकोहि ॥ वि
 उलखासखिः हात्रवनिमात्राः गाधवः
 कुलसवलखाः तुं धूं धूं ॥ ३ ॥ ऊधूकः
 लमासेवदेखनकुमात्र म्रनिनृददः
 धिसत्रसमानिः ॥ रपसक नमनीना
 ऊप्रकासकहुः नमियकि धुनहमः
 जानूः तुं धूं धूं ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रागा॥ विहारा॥ मालप्रगा॥ ॐ धनत्रया धमनि ।
 यविशनिमन्त्रि॥ ॐ ॥ कामवाधप्रहाराकत्र
 नहं दह नमन्त्रिलमन्त्रि॥ ॐ वसि नलदा ॐ
 नुममिलक्षस्यै॥ नवदा ॐ नमन्त्रिधित्र
 हाः ॐ धन॥ १ ॥ स्वत्रसिंहात्र मूरखधप
 दने नुमविनूकहि नलाग्य॥ सधमूरवदः
 यियवदनसा ॐ ल॥ नवमन्त्रि नस पाग्यः
 हाः ॐ धनत्रयाधः॥ २ ॥ ॐ ॥

ॐ धनत्रयाधः ॥ २ ॥

रागा॥ विहारा॥ मालप्रगा॥ कीरवनजान
 हिः॥ ॐ ॥ बला मवमनात्रथपूत्रनर ॐ
 शिऊरऊपत्रसनत्रनमिला ॐ २ः कीरवेः
 ॥ १ ॥ नृपनिमक नमनिगम ॐ ॐ त्रिः॥ १ ॥
 धननवाहा इत्रकवी ॐ खगम ॐ ॐ कविमूरव
 गम ॐ ॐ कीरवनः॥ २ ॥ ॐ ॥

कीरवनः ॥ २ ॥

१ त्रागा ॥ विहागा ॥ गालः ऊमि ॥ जा उ जा
 अविषुर्विंया क स ड क जा ॐ ॥ ५ ॥ ऊ
 लंधनमाका रु ॐ पात्रवर्णि देखि के ॥ वि
 नूध रु ॐ पात्रवर्णिः जा उ २ः ॥ १ ॥ क उः
 द क कलहा ॐः मपत्राधव हात्रः ॥ मूल
 वी क पथनहा ॐः जा उ २ ॥ २ ॥ मूवरु
 ॐ विंया मुगिभिषेसः ॥ सवसखिविलाप
 हो ॐः जा उ २ ॥ ३ ॥ निपनिधी गी वाधः
 रुधः विक्रमसाह देवः ॥ सवसखिधिनः
 ऊहा क न जाः जा उ २ ॥ ४ ॥ ॐ ॥

२ त्रागा ॥ नामकलि ॥ गालपना ॥ मा ऊ भुदिः
 दारुयात्रस्य बलिजा ॐ ॥ मद्यमैस न स न स
 कनिन न ह व भु देवः बला मूवधिपद्यः
 न जा ॐ ॥ १ ॥ त्रा डिन्दु विक्रमसाहा
 देव नै रानः ॥ विवाहा क न स क निन न
 ह व स भु देवः बला मूव ॥ २ ॥ ॐ ॥

ॐ
 जा
 उ
 जा
 उ
 ॥
 ॥
 ॥

ॐ
 जा
 उ
 जा
 उ
 ॥
 ॥
 ॥

रागा॥ रास कलि॥ गालः कलि॥ पुरस्वामिप्राः
 धनाथसननजिअया॥ ५ ॥ कित्रिजाकि मुरभा
 नियागालंथयागभाधपुर्॥ मयमान्दुःखःवि
 मरयापनिपुर्ःपुर्स्वामि॥ १ ॥ शिरोयागुम्
 पमाधालालमनकंमालपुर्॥ कित्रियाविधः
 निःठंमकंनृधादयमालपुर्ःपुर्स्वामि॥
 ॥ २ ॥ हनृधजियायधकाःकसम्राज्ञाअ
 लपुर्॥ गनासजिवावाकलःदस्यधिप्रयाः
 मपुर्ःपुर्स्वामि॥ ३ ॥ माला नानावक
 वर्किबालामलकुलपाल॥ दधगुलिङ्ग
 मायासकंनृनादयमालपुर्ःपुर्स्वामिः
 प्राधनाथसननजिअया॥ ४ ॥ ॐ ॥
 रागा॥ रांधा॥ गालः कलि॥ सनगुनवजसका
 मनिधनदेवया॥ ५ ॥ सदिमाखेझायकि
 नऊागव्धाधगुनया॥ गमिविसमुराकिः
 यायासहंन्यङ्गमःसनगुनः॥ १ ॥ अक्र

पुरस्वामि॥ १०१ ॥

सनगुनवज॥ १०२ ॥

सूक्तमसि याः वनधः जानमसया ॥ गृध्रम
 गृध्रमसि याः द्विपालि मसियाः सनगु
 न ॥ २ ॥ कसिसूक्तमसयाः ला रुमाहस
 रुमाया ॥ दधपुन्यधनमगुनगजिसस
 याः सनगुनः ॥ ३ ॥ कनमससइनाया
 ऊपनयजिससया ॥ कनि २ जिपापिया
 रुमाया ॥ दनयाः सनगुः ॥ ४ ॥ ॐ
 रागा ॥ सात्रथ ॥ ना सयना ॥ माइमान
 लुक्कोरुवधसूत्रमाहनमा ॐ ॥ ५ ॥ व
 लियत्रधरुमि मा ॐ ॥ पत्रमदेविगाधाः
 ॥ ६ ॥ नवत्रसनिषेवसात्रवित्रा ॐ ॥ द
 विकसहिगनिष ॥ २ ॥ ॐ ॥

人
卷之四

॥ १०६॥ ॥ १०८॥

२ रागा ॥ स्व नथ ॥ गाल प्रगा ॥ जा ॐ वला
 निः वला भूवना जि न जा ॐ वला नि ॥ ५ ॥
 कप न भूग स्व रुः स सु भू सु धा न ॥ वल
 न द मं भू २ सा थ लियः वला भूवना जि न
 जा ॐ वला नि ॥ १ ॥ क ह न रु प निः णी
 न न वा हा इ न ॥ ध न क न स सु लियः स्व
 ल थ जा ॐ वला भूवना जि न द र व न जा
 ॐ वला ॥ २ ॥ ॐ ॥

२ रागा ॥ गा ऊ वि ऊ य ॥ गाल ॥ जी मां ॥ स्व
 यं र रु ॐ न व उ ल म न प न ग १ ४ व न व न
 ध य का स ॥ सिल सः स सिं ध न ना व य
 द न रि व न वा ल उ प ऊ नि वा स ॥ वा ल
 द व ध नि ध नि नू ऊ क ल स्या म ॥ पा थ
 दि ध दि न ध निः नू ऊ व स स्या म ॥ द दः
 व द व व न ध स न नः ॥ ॐ ॥

ॐ वला नि ॥ १० ॥

ॐ वला नि ॥ १० ॥

न

२॥ तारा ॥ त्रा ऊ वि ऊ म ॥ गाल या ॥ ऊ रा स नि
 न ना थ द न ख द या क न स रु ऊ पे उ अः
 रु द गा स ॥ न मंगल रु ग क स या रु नः
 मंगल ॥ रु ग न ख स या क उ ध प्र मि पा
 ल ॥ ऊ रा न सः ॥ १ ॥ धू ऊ गु लि ऊ स वि
 स थ स थ स धू ग मि स ॥ माल मालाः
 गल स का खा सः ऊ रा न सः ॥ २ ॥ द व
 न इ न न न थ द अ न स थ स क ल ग
 उ त्रि अ स नू दि क उ ला कः ऊ रा न सः ॥ ३
 ॥ ल सि क ल ऊ न यो ल न या उ व न्द मा
 वा ध ॥ म सा न स वि द्या ना उः उ न वा स
 या कः ऊ रा न सः ॥ ४ ॥ न स ख गु द या
 क रु य प न का स थ ॥ न द न उ अ अ रु
 थ या व खा नः ऊ रा न सः ॥ ५ ॥ ॥ ॥

॥ १०१ ॥
 ॥ रु रा न स नि ॥